महाराजा अग्रसेन कॉलेज

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

वसुन्धरा एन्क्लेव, दिल्ली-l10096

महाविद्यालय के शोध पत्रिका हेतु Call for Papers (शोध-पत्र आमंत्रण)

शोध पत्रिका "ज्ञान संचय "

***(विशेषज्ञ सहकर्मी द्वारा पूर्व-समीक्षित शोध पत्रिका)**

(अर्धवार्षिक शोध पत्रिका)*

◆ प्रस्तावना

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय की शोध पत्रिका

"ज्ञान संचय"

(विशेषज्ञ सहकर्मी द्वारा पूर्व-समीक्षित शोध पत्रिका) (अर्धवार्षिक शोध पत्रिका) के आगामी अंक के लिए हिंदी साहित्य, भाषा, संस्कृति, इतिहास, समाज, शिक्षा एवं समकालीन विमर्श से संबंधित मौलिक एवं अप्रकाशित शोध-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं।

◆ संभावित विषय (Themes)

भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान परम्परा
हिंदी साहित्य के विविध आयाम
आधुनिक शिक्षा और समाज
राजनीतिविज्ञान, इतिहास और समाज
भाषा विज्ञान, मनोविज्ञान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी,
मीडिया अध्ययन, सनातन अध्ययन, समकालीन विमर्श
भाषा एवं अनुवाद अध्ययन
अन्य संबंधित विषय।

◆ शोध-पत्र भेजने के दिशा-निर्देश:

शोध-पत्र मौलिक एवं अप्रकाशित होना चाहिए।
शोध-पत्र प्रारूप : सार, बीज शब्द, प्रस्तावना एवं शोध विस्तार, निष्कर्ष, सूचना स्रोत।
शोध-पत्र की लंबाई लगभग 3000 – 5000 शब्द हो।
फॉन्ट – Unicode (Mangal / Kruti Dev)
फॉन्ट आकार – 18 (शीर्षक), 12 (मुख्य पाठ)
संदर्भ शैली – MLA / APA / Chicago में से कोई एक।
शोध-पत्र के साथ लेखक का नाम, पद, संस्थान, ई-मेल और मोबाइल नंबर अवश्य दें।
शोध-पत्र MS Word / PDF फॉर्मेट में भेजें।

◆ महत्वपूर्ण तिथियाँ:

शोध-पत्र भेजने की अंतिम तिथि –**15 अप्रैल 2026**
स्वीकृति की सूचना – **ई मेल द्वारा**
पत्रिका प्रकाशन –
जनवरी जून 2026
जुलाई दिसम्बर 2026

◆ शोध-पत्र भेजने का ई-मेल

ई-मेल hspmacdu@mac.du.ac.in
hindishodhpatrika@mac.du.ac.in

◆ संपर्क:

प्रबंध संपादक एवं संरक्षक:
प्रो संजीव कुमार तिवारी

संपादकद्वय:
प्रो ऋतु कोहली

प्रो टी एन ओझा

संपादक मंडल :

प्रो. शिवकुमार, प्रो. शंकर कुमार, श्रीमती मनोज चौधरी, प्रो. चंद्र शेखर, प्रो. राजहंस कुमार, प्रो. आभा शर्मा
प्रो. सुबोध कुमार, श्रीमती पुनीता अग्रवाल,डॉ. आलोक पुराणिक, डॉ. जितेंद्र भगत

संस्थान:

महाराजा अग्रसेन कालेज
दिल्ली विश्वविद्यालय,
वसुंधरा इन्क्लेव, दिल्ली-110096

मोबाइल: 9968283323, 9868000996/8800366664

✍ नोट: संपादक मंडल को प्राप्त शोध-पत्रों को संपादित या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित होगा।